कुल पृष्ठ संख्या–24 (कवर पेज सहित)

क्रम संख्या....

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

माध्यमिक परीक्षा

(परीक्षार्थी द्वारा स्वयं भरा जाना चाहिये)

Candidate's Roll No. In English

(In Figures)

(In Words) -

परीक्षार्थी का नामांक हिन्दी में

शब्दों में

नोट :– परीक्षार्थी उपरोक्त के अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका के अन्य किसी भी भाग में अपना नामांक नहीं लिखें।

माध्यम – हिन्दी ✓ अंग्रेजी

विषय सामाजिक विज्ञान

परीक्षा का दिन

दिनांक

नोट :– परीक्षार्थी के लिए आवश्यक निर्देश इस पृष्ठ के पिछले भाग पर उल्लेखित हैं। जिन्हें सावधानी पूर्वक पढ़ लें व पालना अवश्य करें।

परीक्षक हेतु निर्देश :– (1) परीक्षक को उपरोक्त सारणी अनुसार प्राप्तांक भरना अनिवार्य हैं, अन्यथा नियमानुसार दंडित किया जायेगा।

(2) परीक्षक उत्तर पुस्तिका के अन्दर के पृष्ठों के बायीं ओर निर्धारित कॉलम में लाल इंक से अंक प्रदत्त करें।

(3) कुल योग भिन्न में प्राप्त होने पर उसे पूर्णांक में ही परिवर्तित कर अंकित करें (उदारणार्थ : 15 ¼ को 16, 17 ½ को 18, 19 ¾ को 20)

प्रश्नवार प्राप्तांकों की सारणी
(परीक्षक के उपयोग हेतु)

प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक	प्रश्नों की क्रम संख्या	प्राप्तांक
1		19	
2		20	
3		21	
4		22	
5		23	
6		24	
7		25	
8		26	
9		27	
10		28	
11		29	
12		30	
13		31	
14		योग	
15		प्राप्त अंकों का कुल योग (Roundoff)	
16		अंकों में	शब्दों में
17			
18			

परीक्षक के हस्ताक्षर .... संकेतांक

प्रमाणित किया जाता है कि इस उत्तर पुस्तिका के निर्माण में 58 जी.एस.एम. क्रीमवोव कागज ही उपयोग में लिया गया है। 161/2017

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश

1. समस्त प्रश्नों का हल निर्धारित शब्द सीमा में इसी उत्तर पुस्तिका में करना है। विशेष परिस्थिति में अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका पृथक से उत्तर पुस्तिका भरी हुई होने पर पर्यवेक्षक एवं वीक्षक की अनुशषां पर ही उपलब्ध कराई जायेगी।
2. प्रश्न–पत्र पर निर्धारित स्थान पर अपना नामांक लिखें।
3. प्रश्न–पत्र हल करने के पश्चात् जिस पृष्ठ पर हल समाप्त होता है, उस पर अन्त में "समाप्त" लिखकर अन्त के सभी रिक्त पृष्ठों को तिरछी लाईन से काटें।
4. निम्न बातों का विशेष ध्यान रखें अन्यथा अनुचित साधनों की रोकथाम अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा सकेगी।
   (i) उत्तर पुस्तिका के ऊपर/अन्दर तथा प्रश्नोत्तर के किसी भी भाग में चाही गई सूचना के अलावा अपना नामांक, नाम, पता, फोन नम्बर अथवा पहचान की कोई अन्य प्रकार की सूचना आदि अंकित नहीं करें अन्यथा "अनुचित साधनों के प्रयोग" के अन्तर्गत कार्यवाही की जावेगी।
   (ii) उत्तर पुस्तिका के पृष्ठों को फाड़ें नहीं। उत्तर–पुस्तिका के मुख पृष्ठ पर अंकित संख्या के अनुसार पृष्ठ पूरे होने चाहिये। परीक्षार्थी उत्तरपुस्तिका प्राप्त करते ही पृष्ठ संख्या की जांच कर लें यदि पृष्ठ कम/अधिक या क्रम में नहीं हैं तो वीक्षक से तुरन्त बदलवा लें।
   (iii) परीक्षा केन्द्रों पर पुस्तक, लेख, कागज, केलक्यूलेटर, मोबाईल, पेजर आदि किसी भी प्रकार का इलेक्ट्रोनिक उपकरण तथा किसी भी प्रकार का हथियार आदि ले जाना निषेध हैं।
   (iv) वस्त्र, स्केल, ज्योमेट्री बॉक्स पर कुछ न लिखकर लावें। टेबुल के आस–पास कोई अवैध सामग्री नहीं होनी चाहिये, इसकी जांच कर लें।
   (v) अपनी उत्तर पुस्तिका/ग्राफ/मानचित्र आदि परीक्षा भवन से बाहर ले जाना दण्डनीय अपराध है, अतः परीक्षा समाप्ति पर उत्तर पुस्तिका वीक्षक को बिना सौंपे परीक्षा कक्ष नहीं छोड़ें।
5. उत्तरों को क्रमानुसार एक ही स्थान पर लिखें। प्रश्न क्रमांक भी सही अंकित करें, अन्यथा दण्ड स्वरूप परीक्षक को 1 अंक कम करने का अधिकार है। बीच में उत्तर पुस्तिका के पृष्ठ रिक्त न छोड़ें। गणित विषय के लिए रफ कार्य उत्तर पुस्तिका के अंतिम पृष्ठों पर करें तथा तिरछी रेखा से काटें।
6. जहाँ तक हो सके प्रश्न के सभी भाग के उत्तर, उत्तर पुस्तिका में एक ही स्थान पर अंकित करें।
7. भाषा विषयों को छोड़कर शेष सभी विषयों के प्रश्न–पत्र हिन्दी–अंग्रेजी दोनों भाषा में मुद्रित है। किसी भी प्रकार की त्रुटि/अन्तर/विरोधाभास होने पर हिन्दी भाषा के प्रश्न को ही सही माना जाये।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर
	2.	जयपुर का जंतर-मंतर सवाई जयसिंह द्वारा बनाई गई पाँच वेधशालाओं में से एक है। यह वेधशाला है।
	3.	प्रतिनिधि लोकतंत्र के दो रूप है।
	(i)	संसदीय लोकतंत्र
	(ii)	अध्यक्षात्मक लोकतंत्र
	4.	इंटरनेट के अनेक लाभ है।
	(i)	इंटरनेट के द्वारा वीडियो कॉलिंग की सुविधा उपलब्ध होती है
	(ii)	इंटरनेट के द्वारा किसी स्थान पर घटित सूचना को प्राप्त किया जा सकता है।
	5.	किसी देश के उत्पादन के समस्त साधनों के द्वारा एक वित्त वर्ष में किए गए उत्पादन के फलस्वरूप प्राप्त आय का योग राष्ट्रीय आय कहलाता है।
	6.	भारत में वित्तीय वर्ष की अवधि 1 अप्रैल से 31 मार्च तक होती है।
	7.	प्राथमिक क्षेत्र में प्राकृतिक संसाधनों के प्रत्यक्ष उपयोग पर आधारित गतिविधियाँ सम्मिलित है। उदा० → कृषि, डेयरी आदि

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

8. सामान्य कीमत स्तर का तात्पर्य सामान्य वस्तुओं के समूह की कीमत के औसत स्तर से है।

9. जब कोई व्यक्ति रोजगार का इच्छुक एवं योग्य हो लेकिन रोजगार प्राप्त करने में असफल हो तो उस स्थिति को बेरोजगारी कहा जाता है।

10. भारत में गरीबी मापन का प्रथम प्रयास 1868 में किया गया था।

11. हम निम्न स्वतंत्रताओं की अपेक्षा करते है।

(1) उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के आचरण पर संसद में महाभियोग के अतिरिक्त चर्चा नहीं

2. न्यायाधीशों की नियुक्ति हेतु विशेष प्रक्रिया होनी चाहिए।

12. यह पश्चिमी राजस्थान के जल संरक्षण व जल प्रबंधन का स्रोत है। टाँके में वर्षा जल को मकान की छत की आगोर से इकत्रित किया जाता है। इसके ऊपरी भागों को स्थानीय उपलब्ध संसाधनों से ढक दिया जाता है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन योजना के अन्तर्गत टांको का निर्माण किया गया ।

13. ऐसी फसलें जिनका उपयोग व्यावसायिक कार्यों के लिए या उद्योगों में कच्चा माल प्रदान करने के लिए किया जाता हो, उन्हें व्यावसायिक फसलें कहते हैं।

उदाहरण →
(i) गन्ना
(ii) कपास
(iii) तिलहन
(iv) जूट और तम्बाकू

14. धात्विक खनिज दो प्रकार के होते हैं।

(i) लौह धातु प्रधान खनिज
(ii) अलौह धातु प्रधान खनिज

(i) लौह धातु प्रधान → ऐसे खनिजों में लौह धातु का अंश पाया जाता है। इसलिए लौह धातु खनिज कहलाते हैं।
उदा० → लौह अयस्क, क्रोमियम

(ii) अलौह धातु प्रधान → वे खनिज जिनमें लौह धातु का अंश नहीं पाया जाता हो, अलौह धातु प्रधान खनिज कहलाते हैं।
उदा० सोना, चाँदी, ताँबा

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

15. भारत में औद्योगिक प्रदूषण से होने वाले दो प्रभाव निम्न है।

(i) औद्योगिक प्रदूषण से पक्षियों की अनेक प्रजातियाँ विलुप्त हो गई है।

(ii) औद्योगिक प्रदूषण से महानगरों के लोग साँस (श्वसन) सम्बन्धी बीमारियों से पीडित है।

16. जन्म दर → प्रति हजार व्यक्तियों में जितने जीवित व्यक्तियों का जन्म होता है, जन्म दर कहलाती है।

मृत्यु दर → प्रति हजार व्यक्तियों में जितने व्यक्तियों की मृत्यु होती है मृत्यु दर कहलाती है।

17. भारत के परिवहन मानचित्र पर पाइप लाइन परिवहन एक नया परिवहन का साधन है। इसका उपयोग तेल, प्राकृतिक गैस आदि को पहुँचाने के लिए किया जाता है।
भारत में पाइप लाइन परिवहन निम्न स्थानों पर है।

(i) ऊपरी असम के तेल क्षेत्रों में गुवाहटी से इलाहाबाद (उत्तरप्रदेश) तक

(ii) मध्यप्रदेश के बिजयपुर में तथा राजस्थान के कोटा तक

प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(iii) गुजरात में सलावा से वीरम गाँव तक तथा पंजाब में जालंधर तक, उत्तरप्रदेश के हजीरा तक है।

पाइप लाइन बिछाने की प्रारम्भिक लागत अधिक है लेकिन इसे चलाने की लागत न्यूनतम है। वाहनांतरण देरी व हानियाँ इसमें नहीं के बराबर है।

18. सडक पर पैदल चलते समय हमें निम्न बातों का ध्यान रखना चाहिए।

(i) हमेशा सडक के बाँयी ओर चलना चाहिए।

(ii) पैदल चलने वालों के लिए सडक पर जो लेन निर्धारित है उसी में चलना चाहिए।
सबसे आवश्यक बात सडक पर चलते समय यातायात के नियमों का पालन करना चाहिए।

19. ठोस कचरा प्रबन्धन कार्यक्रम → ऐसा कार्यक्रम जिसके अन्तर्गत ठोस कचरे का प्रबन्धन, निस्तारण, पुनः चक्रण किया जाता हो। ठोस कचरे में घरेलू कचरा, चिकित्सकीय अपशिष्ट, रेडियोधर्मी अपशिष्ट सम्मिलित होते हैं। सरकार के द्वारा ठोस कचरा प्रबन्धन कार्यक्रम शुरू किया है। जिसके अन्तर्गत सभी निकायों में स्थानीय संस्थाओं के द्वारा लोगों को ठोस कचरे के प्रबन्धन के बारे

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक | प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

में जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी । तथा ठोस कचरे के प्रबन्धन के लिए आवश्यक शोध किए जाएंगे । ठोस कचरा प्रबन्धन कार्यक्रम में जन संसाधन व पर्यावरण को हानि पहुँचाए बिना कचरे का प्रबन्धन, निस्तारण करना होता है

20. यदि हम हम्मीर देव चौहान के स्थान पर होते तो हम अलाउद्दीन खिलजी के बागियों को कभी भी संरक्षण प्रदान नहीं करते । अलाउद्दीन खिलजी के बागियों ने अलाउद्दीन को धोखा दिया, इसी प्रकार वे हमारे साथ भी धोखा कर सकते । जैसा कि हम्मीर देव चौहान के सैनिकों ने किया । अलाउद्दीन खिलजी के बागियों को यदि हम संरक्षण प्रदान भी करते तो भी वे हमारे साथ धोखा ही करते । अलाउद्दीन खिलजी के बागियों के बहाने से ही उसने रणथम्भौर पर आक्रमण किया । और भारत की स्वतन्त्रता को छीना । हम ऐसी परिस्थिति को कभी स्वीकार नहीं करते जो भारत की स्वतंत्रता को छीने । हमीर देव चौहान में शरणागत रक्षण के गुण थे । इसलिए उन्हें संरक्षण प्रदान किया, लेकिन उन्होंने भविष्य में होने वाली परिस्थिति का अनुमान नहीं लगाया । इसी के परिणामस्वरूप हम्मीर देव चौहान को पराजय का मुँह देखना पड़ा ।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

21. मौर्यकालीन केन्द्रीय प्रशासन के द्वारा भारत में पहली बार केन्द्रीय शासन व्यवस्था की स्थापना हुई। राजा के द्वारा मंत्रियों की नियुक्ति उनके चरित्र की भलि-भाँति जाँच करके की जाती थी इसे उपधा परीक्षण कहा जाता था। मंत्रिपरिषद की तरह परिषा मंत्रिणा भी होता था।

केन्द्रीय प्रशासन → कौटिल्य के अर्थशास्त्र के अनुसार चार महामात्र प्रमुख थे → राजा, मंत्री, पुरोहित, सेनापति। केन्द्रीय प्रशासन के प्रधान को महामात्र कहा जाता था।
कौटिल्य के अर्थशास्त्र के अनुसार राज्य के सात अंग माने गए हैं।
दुर्ग, कोष, सेना, मित्र, राजा, अमात्य, जनपद

समाहर्ता → इसका कार्य राजस्व एकत्र करना, आय-व्यय का ब्यौरा रखना व वार्षिक बजट तैयार करना था।

सन्निधाता → इसका कार्य विभिन्न कोषगृह व अन्नागारों का निर्माण करना। अर्थशास्त्र में 26 विभागाध्यक्षों का उल्लेख है। जैसे → सीताध्यक्ष, पण्याध्यक्ष, आटविक आदि। उच्च अधिकारियों के नियंत्रण में निम्न स्तर के कर्मचारी होते थे।
प्रांतीय प्रशासन → प्रांत विषयों में विभक्त थे जो विषयपतियों के अधीन थे। अशोक के राज्य को पाँच प्रांतों में बाँटा जा सकता है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

1. अवन्ति 2. मध्यदेश 3. कलिंग 4. उत्तरापथ. दक्षिणापथ

प्रांतों के शासन अधिकारी कुमार कहलाते थे।

22. इटली के एकीकरण में मैजिनी का महत्वपूर्ण योगदान था। मैजिनी ने 1831 में यंग इटली की स्थापना की। इसके तीन उद्देश्य थे।

(i) इटली को मुक्त करो
(ii) परमात्मा पर विश्वास रखो
(iii) सब भाईयों को एक साथ मिलाओ।

मैजिनी इटली के नवयुवकों पर विश्वास करता था। उसका मानना था कि यदि समाज में क्रांति लानी है तो नेतृत्व नवयुवकों के हाथों में दे दो क्योंकि उनके हृदय में असीम शक्ति छिपी रहती है।

मैजिनी एक देवदूत था जिसने इटली के नवयुवकों में राष्ट्रप्रेम की भावना भर दी।

साउथगेट लिखते हैं कि यह मैजिनी ही था जिसके बिना गैरीबाल्डी की वीरता निरर्थक होती।

मैजिनी ने इटली के युवकों में राष्ट्रप्रेम, स्वतंत्रता की भावना भर दी।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

मैजिनी इटली का एकीकरण चाहता था। उसने गैरीबाल्डी का साथ दिया।
भले ही मैजिनी काबुर की तरह सेनानायक नहीं था पर वह आदर्श विचारक था।

23. सामाजिक लोकतंत्र → समाज के एक प्रकार के रूप में लोकतंत्र सामाजिक लोकतंत्र कहलाता है। सभी व्यक्तियों को लोकतंत्र के सामने समान समझा जाना चाहिए। कोई भी व्यक्ति किसी दूसरे व्यक्ति के सुख का साधन मात्र नहीं समझा जाना चाहिए। सामाजिक लोकतंत्र वह है जिसमें समानता के विचार की प्रबलता हो तथा समानता का सिद्धान्त प्रचलित हो। व्यक्तियों में लिंग, धर्म, रंग, रूप, जाति के आधार पर भेदभाव नहीं होना चाहिए।

'सामाजिक लोकतंत्र' के लिए निम्न दशाएँ होना आवश्यक है।

(i) लिंग, रूप, जाति आदि के आधार पर व्यक्तियों के विशेषाधिकार समाप्त कर देने चाहिए।

(ii) सभी व्यक्तियों को प्रगति के समान अवसर उपलब्ध होने चाहिए

(iii) व्यक्तियों के मध्य भेदभाव नहीं होना चाहिए।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

iv) सभी व्यक्ति कानून के सामने समान समझे जाने चाहिए।

२५. भारतीय अर्थव्यवस्था एक विकासशील अर्थव्यवस्था है।

(i) सामाजिक व आर्थिक आधार संरचना में सुधार → भारत में पहले सडकों की लम्बाई ५ लाख किमी. थी। वर्तमान में ५० लाख किमी. है। भारत में विद्युत का विकास हुआ। भारत की साक्षरता दर में वृद्धि हो चुकी है। भारत की जीवन प्रत्याशा में भी वृद्धि हुई है।

(ii) जनसंख्या वृद्धि दर में कमी → भारत में विगत कुछ वर्षों में जनसंख्या वृद्धि दर में कमी आई है। २०११ की जनगणना के अनुसार भारत की जनसंख्या वृद्धि दर १७.६४% है।

(iii) तेजी से बढता सेवा क्षेत्र → विकसित देशों में विस्तृत सेवाक्षेत्र पाया जाता है। भारत का सेवा क्षेत्र भी निरन्तर बढ रहा है। सेवा क्षेत्र का भारत के सकल घरेलू उत्पाद में योगदान ६०% है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(iv) राष्ट्रीय आय तथा प्रति व्यक्ति आय में सतत एवं तीव्र वृद्धि →
भारत की राष्ट्रीय आय तथा प्रति व्यक्ति आय में सतत एवं तीव्र वृद्धि भारत की विकासशील अर्थव्यवस्था को दर्शाती है। भारत की राष्ट्रीय की दर भारत में वर्तमान में 8% ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना के अनुसार है। प्रति व्यक्ति आय की दर वर्तमान में 6.2% है।

25. मुद्रा → मुद्रा की परिभाषा किसी भी वस्तु के रूप में दी जा सकती है जो विनिमय का कार्य करे, मूल्य के भंडार व मापक के रूप में प्रयुक्त हो तथा विलम्बित भुगतानों के मानक के रूप में प्रयुक्त हो।

सामान्यत: हम किसी वस्तु को खरीदने के लिए जो कुछ भी अदा करते हैं। मुद्रा कहलाती है।

मुद्रा के तीन कार्य निम्न हैं।

(i) मूल्य का मापक → मुद्रा मूल्य के मापक के रूप में कार्य करती है। विभिन्न वस्तुओं व सेवाओं के मूल्य को मुद्रा के रूप में व्यक्त करके एक उचित लेखातंत्र बनाया जा सकता है।

(ii) मूल्य का भंडार → मुद्रा मूल्य के भंडार का कार्य भी करती है, लोग अपने धन को मुद्रा के

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

रूप में संचित कर सकते हैं।

(iii) विलम्बित भुगतानों का मानक → मुद्रा विलम्बित भुगतानों के मानक के रूप में कार्य करती है। जो भुगतान वर्तमान में न करके भविष्य के लिए टाल दिए जाते हैं, विलम्बित भुगतान कहलाते हैं। ऋण भी एक प्रकार का विलम्बित भुगतान है।

26. उपभोक्ता शोषण के अनेक कारण हैं।

1. यदि उपभोक्ता को किसी वस्तु या सेवा के बारे में पूर्ण जानकारी का अभाव है तो उसका शोषण हो सकता है।

2. उपभोक्ता द्वारा किसी वस्तु पर लिखित प्रचार पर विश्वास कर लेने से उसका शोषण होता है।

3. उपभोक्ता के द्वारा किसी वस्तु या सेवा के विरुद्ध शिकायत नहीं किया जाना।

4. सरकार पर पूँजीपतियों का प्रभाव होना तथा उपभोक्ताओं का संगठित नहीं होना।

इस प्रकार उपभोक्ता शोषण के अनेक कारण हैं।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

27.

(i) संथाल विद्रोह → अंग्रेजों के विरुद्ध हुए विद्रोह को बडे स्तर पर संथाल विद्रोह के रूप में देखा जा सकता है। यह सिंहभूमि, पलामु आदि में फैल चुका था। यह घटना 1855-56 में हुई। इसका कारण जमींदारों द्वारा किए गए अत्याचार, पुलिस द्वारा अत्याचार तथा अत्याधिक राजस्व था। अंग्रेजों का विद्रोह दो भाई सिंधु और कान्हू ने किया। इन्होंने अंग्रेजों को कर न देने की घोषणा कर स्वयं को स्वतंत्र घोषित कर दिया। लोगों द्वारा विद्रोह किया गया। इस विद्रोह को रोकने के लिए अंग्रेजों को संथाल परगना बनाना पडा।

(ii) जलियाँवाला बाग हत्याकाण्ड → रोलेट एक्ट के विरोध में पंजाब के अमृतसर के जलियाँवाला बाग में 13 अप्रैल 1919 को लोगो की सभा हुई। इसमें 20,000 लोग इकत्रित हुए। जब जनरल डायर को इसका पता चला तो उसने किसानों पर गोलियाँ चलवाँ दी। अंग्रेजों के अनुसार 379 व्यक्तियों की मृत्यु हुई। कांग्रेस की रिपोर्ट के अनुसार मरने वालों की संख्या 1000 थी।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

(iii) साइमन कमीशन → 1919 के भारत सरकार अधिनियम के कार्यों की समीक्षा करने हेतु सर जॉन साइमन के नेतृत्व में साइमन कमीशन भारत आया । 1928 में जब यह दिल्ली पहुँचा तो इसका जबरदस्त विरोध किया गया । इसमें सात सदस्य थे, लेकिन कोई भी भारतीय नहीं था । लाहौर में इसका विरोध लाला लाजपतराय ने किया, पुलिस ने उन पर लाठियाँ चलाई, इससे उनके सीने में चोट आई और एक माह बाद उनका देहान्त हो गया । जब 1930 में इसकी रिपोर्ट आई तो कहीं भी औपनिवेशिक साम्राज्य की स्थापना की बात नहीं थी ।

28. राष्ट्रपति की कार्यपालिका शक्तियाँ → अनुच्छेद 52 के अनुसार भारत का एक राष्ट्रपति होगा । अनुच्छेद 53 के अनुसार कार्यपालिका शक्तियाँ राष्ट्रपति में निहित होंगी। जिनका प्रयोग वह स्वयं या अधीनस्थ पदाधिकारियों द्वारा करेगा । इस प्रकार शासन सम्बन्धी महत्वपूर्ण निर्णय राष्ट्रपति द्वारा लिए गए माने जाएँगे ।

(i) महत्वपूर्ण पदाधिकारियों की नियुक्ति → राष्ट्रपति के द्वारा सर्वोच्च न्यायालय तथा उच्च न्यायालय

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

के न्यायाधीशों, राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष व सदस्यों, प्रधानमंत्री की सलाह पर अन्य मंत्रियों की नियुक्ति की जाती है। विदेशों में राजदूतों की नियुक्ति भी इसी के द्वारा की जाती है।

(ii) शासन संचालन सम्बन्धी शक्ति → राष्ट्रपति के द्वारा सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों तथा महालेखा परीक्षक की नियुक्ति सम्बन्धी नियम बनाए जाते हैं। शासन संचालन सम्बन्धी महत्त्वपूर्ण निर्णय राष्ट्रपति द्वारा लिए जाते हैं।

(iii) वैदेशिक शक्ति → राष्ट्रपति विदेशों में स्थित भारतीय दूतावासों के लिए राजदूतों व कूटनीतिकों की नियुक्ति करता है। विदेशों के राजदूतों से सम्बन्धित प्रमाण पत्रों को स्वीकार करता है। विदेशों से सन्धियाँ व समझौते उसी के द्वारा किए जाते हैं।

(iv) सैनिक शक्ति → राष्ट्रपति तीनों सेनाओं का प्रधान सेनापति होता है किन्तु वह अपनी इस शक्ति का प्रयोग कानून के अनुसार ही कर सकता है। महत्वपूर्ण निर्णय संसद के द्वारा ही लिए जाते हैं।

विधायी शक्ति → राष्ट्रपति कार्यपालिका का वैधानिक प्रधान तो होता ही है, साथ ही वह संसद का भी अभिन्न अंग है इसलिए उसे विधायी शक्तियाँ प्रदान की गई है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

1. विधायी क्षेत्रों का प्रशासन → राष्ट्रपति संसद की बैठकें बुलाता है तथा संसद के निम्न सदन लोकसभा को प्रधानमंत्री के परामर्श से भंग कर सकता है। उसके द्वारा बैठको में भाषण दिया जाता है।

2. मनोनीत करने की शक्ति → राष्ट्रपति ~~विधानसभा~~ लोकसभा में आंग्ल भारतीय वर्ग के एक सदस्य को मनोनीत कर सकता है। राज्यसभा के 12 सदस्यों को मनोनीत कर सकता है जिन्हें कला, साहित्य में विशेष ज्ञान हो।

3. अध्यादेश जारी करने की शक्ति → जिस समय संसद का अधिवेशन नहीं चल रहा हो तब राष्ट्रपति अध्यादेश जारी कर सकता है। यदि संसद चाहे तो अधिवेशन के प्रारम्भ होते ही इसे समाप्त कर सकती है।

4. विधेयक पर निषेधाधिकार का प्रयोग → यदि संसद के दोनों सदन किसी विधेयक को पारित कर उसे राष्ट्रपति की स्वीकृति के लिए भेजते हैं तो राष्ट्रपति उसे संसद को लौटा सकता है लेकिन दूसरी बार राष्ट्रपति को स्वीकृति देनी होगी।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

उच्च न्यायालय के कार्यक्षेत्र व शक्तियाँ

29. प्रारम्भिक क्षेत्राधिकार
1. याचिका क्षेत्राधिकार
2. अपीलीय क्षेत्राधिकार
3. अभिलेख न्यायालय
4. न्यायिक पुनरावलोकन
5. परामर्श सम्बन्धी क्षेत्राधिकार
6. नियंत्रण

1. प्रारम्भिक क्षेत्राधिकार → इसका तात्पर्य है उच्च न्यायालय द्वारा विवादों की सुनवाई करना।

वसीयत सम्बन्धी विवाद, विवाह विच्छेद, कम्पनी कानून सम्बन्धी विवाद, दो राज्यों के मध्य विवाद तथा मौलिक अधिकारों के लेकर विवाद।

2. याचिका क्षेत्राधिकार → संविधान के अनुच्छेद 226 के अनुसार उच्च न्यायालय बंदी प्रत्यक्षीकरण, ~~अधयाच्य पृच्छ~~ प्रतिषेध, परमादेश, अधिकार पृच्छा आदि याचिका जारी कर सकता है। संविधान के अनुच्छेद 32 के अनुसार उच्चतम न्यायालय मौलिक अधिकारों के लिए याचिका जारी कर सकता है, वहीं उच्च न्यायालय अन्य विषयों पर भी याचिका जारी कर सकता है।

परीक्षक द्वारा प्रदत्त अंक	प्रश्न संख्या	परीक्षार्थी उत्तर

3\. अपीलीय क्षेत्राधिकार → इसे निम्नलिखित भागों मे विभाजित किया जा सकता है।

1\. दीवानी अपीलीय क्षेत्राधिकार → डिजाइन, पेटेंट आदि के विरुद्ध अपील की जा सकती है।

2\. ~~[illegible]~~ फौजदारी अपीलीय क्षेत्राधिकार → यदि किसी सेशन न्यायालय ने अभियुक्त को मृत्युदण्ड दिया हो या चार साल की सजा दी हो तो उसके विरुद्ध अपील उच्च न्यायालय में की जा सकती है।

3\. संवैधानिक अपीलीय क्षेत्राधिकार → यदि यह प्रमाणित हो जाए कि अपील में संविधान की व्याख्या का प्रश्न है तो उसके विरुद्ध अपील की जा सकती है।

4\. अभिलेख न्यायालय → अनुच्छेद 215 के अनुसार उच्च न्यायालय अभिलेख न्यायालय होगा, जिसकी अवमानना के लिए दण्ड होगा। इसके निर्णय सभी जगह कानून की तरह प्रस्तुत किये जाऐंगे।

नामांक Roll No.

2	3	1	9	0	5	1

S-08-Social Science

माध्यमिक परीक्षा, 2018
SECONDARY EXAMINATION, 2018
सामाजिक विज्ञान
SOCIAL SCIENCE

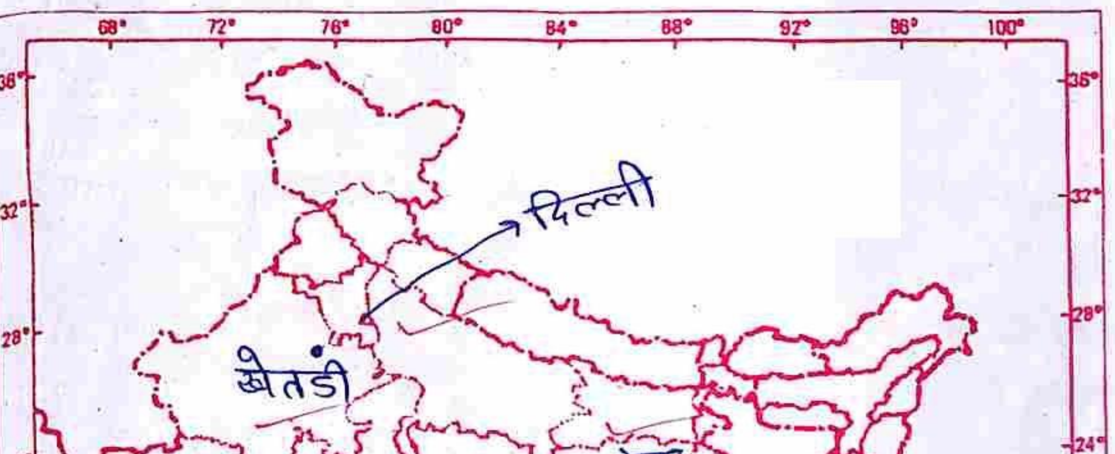

प्रश्न संख्या | परीक्षार्थी उत्तर

5 न्यायिक पुनरावलोकन → उच्च न्यायालय संघीय या राज्य विधायिका व कार्यपालिका द्वारा निर्मित कानून को असंवैधानिक घोषित कर सकती है।

नियंत्रण सम्बन्धी क्षेत्राधिकार

6. ~~पर्यवेक्षण सम्बन्धी क्षेत्राधिकार~~ → उच्च न्यायालय अपने निचले न्यायालय के निर्णयों को अपने यहाँ मँगवा सकता है व जाँच कर सकता है।
उच्च न्यायालय का यह कर्तव्य है कि वह यह ध्यान रखे कि नीचे के न्यायालय अपनी शक्ति सीमा का उल्लंघन तो नहीं कर रहे हैं तथा अपने कर्तव्य के अनुसार ही पालन कर रहे हैं।
उच्च न्यायालय को निचले न्यायालय पर नियंत्रण करने का अधिकार होता है।

1. अशोक ने लुम्बिनी व बोधगया की धम्म यात्राएँ की रुम्मनदेई अभिलेख से विदित होता है कि उसने वहाँ की भूमि पर कर को $\frac{1}{6}$ से $\frac{1}{8}$ कर दीया।

→ समाप्त →